नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305

इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय नागपुर की ओर से 'राष्ट्रीय हथकरघा' दिवस आयोजित
हिंदी विश्वविद्यालय के अधिकारी, विद्यार्थियों ने की सहभागिता

हस्तकरघा उद्योग को बढ़ावा देने की आवश्यकता – महापौर नंदा जिचकार

वर्धा, 7 अगस्त 2017: हथकरघा उद्योग को बढावा देने के लिए हथकरघा पर बने वस्त्रों का उपयोग करने का संकल्प लेने की आवश्यकता है। उक्ताशय के विचार नागपुर महापालिका की

महापौर श्रीमती नंदा जिचकार ने नागपुर में क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय की ओर से आयोजित राष्ट्रीय हथकरघा दिवस कार्यक्रम में रखे। कार्यक्रम में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय, नागपूर एवं वसंतराव नाईक शासकीय कला व समाज विज्ञान संस्था के गृह अर्थशास्त्र व हिंदी विभाग के संयुक्त

तत्वावधान में नागपुर स्थित वसंतराव नाईक शासकीय कला व समाज विज्ञान संस्था के सभागार

में राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर

केंद्रीय वस्त्रोद्योग मंत्रालय के बुनकर सेवा केंद्र, नागपुर के उप-संचालक, वाय. के. सूर्यवंशी, डॉ.

पी. लहाने, डॉ. साधना पाटील, डॉ. दिपक कुलकर्णी एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे मंचासीन थे।

क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी मनोज सोनोने ने कार्यक्रम के आयोजन को लेकर कहा कि हथकरघा क्षेत्र को प्रोत्साहन देने तथा विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के

क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय की ओर से देशभर में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने कहा कि हथकरघा एवं हस्तकला को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से महाविद्यालयों एवं

विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम चलाए जाने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर डॉ. लहाने, वाई. के. सूर्यवंशी, डॉ. साधना पाटिल, डॉ. दीपक कुलकर्णी आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन अमरावती स्थित क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय के क्षेत्रीय

प्रचार सहायक अंबादास यादव ने किया। इस कार्यक्रम में हिंदी विवि के राष्ट्रीय सेवा योजना के

संयोजक राजेश लेहकपुरे, राजदीप राठौर, विद्यार्थी नेहा ओझा, सुधीर कुमार, पंकज बेला, देवेश

दुबे, श्रीप्रकाश पाल, बुनकर सेवा केंद्र नागपुर के प्रशिक्षार्थी, शासकीय तंत्रनिकेतन व वसंतराव नाईक शासकीय कला व समाज विज्ञान संस्था के विद्यार्थी उपस्थित थे।